एससीएसपी योजना के अंतर्गत "मीठे पानी की जलीय कृषि के आधुनिक तरीकों" पर उद्यमिता सह कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

भा कृ अनु प – के मा शि सं, कोलकाता केंद्र ने दिनांक 9-11 सितंबर, 2024 के दौरान दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल के गोसाबा और बसंती ब्लॉक के एससी मछुआरों के लिए एससीएसपी योजना के तहत "मीठे पानी की जलीय कृषि के आधुनिक तरीकों" पर 3 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

उद्घाटन के दौरान, आईसीएआर-सीआईएफआरआई, बैरकपुर के निदेशक डॉ बी के दास ने उत्पादकता और आजीविका बढ़ाने के लिए मछली किसानों द्वारा आधुनिक तकनीकों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। आईसीएआर-सीआईएफई कोलकाता केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक और केंद्र प्रमुख डॉ टी के घोषाल ने प्रतिभागियों को भारत में जलीय कृषि की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी, जिसे छोटे और सीमांत किसान आसानी से अपना सकते हैं। तालाब प्रबंधन के महत्व, मछली रोगों की पहचान और उनके नियंत्रण उपायों पर भी चर्चा की गई। उनके पालन तालाब में व्यावहारिक अनुप्रयोगों के लिए आईसीएआर-सीआईएफई जल परीक्षण किट (पीएच और डीओ) वितरित किए गए। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. लीसा प्रियदर्शनी, वैज्ञानिक और डॉ. एच. मंदाकिनी देवी, वैज्ञानिक आईसीएआर-सीआईएफई, कोलकाता केंद्र द्वारा किया गया। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना के गोसाबा और बसंती ब्लॉक के कुल 30 अनुसूचित जाति के किसानों ने प्रशिक्षण में भाग लिया और कुलतली मिलन तीर्थ सोसाइटी के संस्थापक श्री लोकमन मोल्ला ने किसानों की भागीदारी को सुगम बनाया।